कालीन भैया की बेटी आशी का धमाकेदार डेब्यू

रंगमंच पर मिलेगा पंकज त्रिपाठी की विरासत का नया चेहरा

पंकज त्रिपाठी, जो आज बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में एक भरोसेमंद नाम बन चुके हैं, अब अपनी अगली पीढ़ी को भी अभिनय के मंच पर उतारने जा रहे हैं. जिस अभिनय ने पंकज को गांव से मुंबई और थिएटर से बड़े पर्दे तक पहुंचाया, अब उसी सफर की पहली सीढ़ी उनकी बेटी आशी त्रिपाठी चढ़ने जा रही हैं.

18 साल की आशी लंबे समय से एक्टिंग की तैयारी कर रही थीं, और अब आखिरकार उनका इंतज़ार खत्म हुआ है. पंकज और उनकी पत्नी मृदुला के नए थिएटर बैनर 'रूपकथा रंगमंच' के पहले प्रोजेक्ट 'लैलाज' के जरिए आशी अपना स्टेज डेब्यू करेंगी. आशी का यह डेब्यू इसलिए भी खास है क्योंकि पंकज खुद थिएटर से निकले हैं और उन्होंने अपने करियर की शुरुआती सीखें मंच से ही हासिल की थीं. कई साल बाद वे दोबारा थिएटर की दुनिया में लौट रहे हैं, वह भी प्रोड्यूसर के रूप में. ऐसे में यह शुरुआत सिर्फ एक नया शो नहीं, बल्कि उनके लिए भावनाओं से भरी वापसी है.

इसी मंच पर उनकी बेटी का डेब्यू होना इस क्षण को और खास बनाता है. 'लैलाज' में आशी लीड रोल में नज़र आएंगी और लाइव परफॉर्मेंस देकर दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश करेंगी. थिएटर का मंच कलाकार से अनुशासन, मेहनत और तुरंत प्रतिक्रिया का साहस मांगता है. पंकज हमेशा कहते रहे हैं कि 'थिएटर ही कलाकार को निखारता है', और शायद इसी वजह से उन्होंने आशी के करियर की शुरुआत भी इसी माध्यम से करने का फैसला किया. आशी भले ही अब थिएटर में डेब्यू कर रही हों, लेकिन यह उनका पहला ऑन-स्क्रीन प्रदर्शन नहीं है.

'रंग डारो' म्यूजिक वीडियो में आई थी नजर - पिछले साल वह 'रंग डारो' म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं, जहां उनकी सहजता और स्क्रीन प्रेजेंस ने लोगों का ध्यान खींचा था. हालांकि, वह हमेशा लाइमलाइट से दूर रही हैं और पिता की तरह अपने काम से पहचान बनाना चाहती हैं.

पंकज और मृदुला दोनों इस बात से बेहद खुश हैं कि आशी ने अपने दिल की सुनी और अभिनय को ही करियर चुना. फिलहाल इतना तय है कि 'लैलाज' के मंच पर पंकज त्रिपाठी की विरासत का नया अध्याय शुरू होने वाला है, और आशी की पहली लाइव प्रस्तुति को देखने के लिए थिएटर प्रेमियों में खास उत्साह है.

ऑडियंस का प्यार ही असली करियर बनाता है : करीना

बॉलीवुड की बेबाक और स्टाइलिश दीवा करीना कपूर खान सिर्फ अपनी फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने विचारों और स्पष्ट राय के लिए भी हमेशा सुर्खियों में रहती हैं. सोशल मीडिया पर उनका हर लुक और इंटरव्यू खूब ट्रेंड करता है.

हाल ही में करीना एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह है एक ऐसा बयान, जिसने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म की बहस को फिर से हवा दे दी है. बरखा दत्त के प्लेटफॉर्म पर दिए गए इंटरव्यू में करीना कपूर ने नेपोटिज्म पर उठ रहे सवालों का जवाब बेहद शांत, सटीक और दमदार अंदाज़ में दिया.

इंटरव्यू के दौरान जब करीना से पूछा गया कि क्या स्टारकिड होने का फायदा मिलता है, तो उन्होंने बिना टोके एकदम साफ शब्दों में कहा 'नेपोटिज्म आपको डेब्यू दिला सकता है, लेकिन लाइफलॉन्ग करियर नहीं. आखिरकार ऑडियंस ही फैसला करती है कि आपको स्टार बनना है या नहीं. सरनेम काम नहीं आता. 'उन्होंने आगे यह भी कहा कि इंडस्ट्री में कोई भी व्यक्ति केवल अपने परिवार के नाम के दम पर नहीं टिक सकता.

अमिताभ बच्चन की बात से डर गए मनोज बाजपेयी

रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति 17' इन दिनों हर एपिसोड में कुछ नया पेश कर रहा है, लेकिन इस बार स्टेज पर पहुंचे 'द फैमिली मैन 3' की स्टारकास्ट ने शो में एक अलग ही रंग भर दिया. मनोज बाजपेयी, जयदीप अहलावत और शारिब हाशमी जब बिग बी के सामने बैठे तो बातचीत हंसी-मज़ाक से शुरुआत हुई, लेकिन फ़िर मनोज ने एक ऐसा किस्सा सुनाया जिसने शो में मौजूद सभी को चौंका दिया. मनोज ने बताया कि अमिताभ बच्चन की एक बात ने उन्हें कभी इतना डरा दिया था कि उन्हें लगा जैसे हार्ट अटैक ही न हो जाए.

मेकर्स द्वारा जारी प्रोमो में मनोज बाजपेयी मुस्कुराते हुए कहते दिखते हैं— 'अमित जी ने एक बार मुझे मार ही डाला था.' उनके इस बयान पर अमिताभ बच्चन भी हँस पड़ते हैं, लेकिन दर्शक जानने के लिए बेताब हो जाते हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ था? मनोज ने पूरा संदर्भ तो नहीं बताया, लेकिन इतना ज़रूर कहा कि वह घटना अमिताभ बच्चन के एक मजाक से जुड़ी थी. अमिताभ बार-बार उनसे सच बताने को कह रहे थे और अचानक ऐसी बात कह दी जिसने मनोज को हिला कर रख दिया. यह सुनकर सेट पर मौजूद लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो गए, जबकि बिग बी भी अपनी ठहाकेदारी अंदाज़ में मुस्कुराते दिखे.

इसके बाद शो का सबसे मनोरंजक पल आया जब मनोज ने 'दीवार' के एक डायलॉग को भोजपुरी में सुनाने की बात कही और फिर बिग बी 'जंजीर' का अपना क्लासिक डायलॉग भोजपुरी तड़के के साथ बोलते नजर आए 'जब तक बैठ बोले न जौ, खड़ा रस्ही. ई पुलिस स्टेशन बा, तोहरा बप्पा के घर ना.'

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए अभिनेता राजीव

उत्तर प्रदेश के नोएडा कारागार में रविवार को जेल कैदियों के लिए एक बड़ा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अभिनेता राजीव खंडेलवाल बतौर अतिथि शामिल हुए. सामाजिक संस्था सशक्त फाउंडेशन द्वारा नोएडा कारागार में कैंसर, हृदय संबंधी जानकारी, योग व बीमारियों से शारीरिक गतिविधियों पर जागरूकता प्रोग्राम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में अभिनेता राजीव खंडेलवाल, अभिनेत्री रितिका आनंद, मेघा आहूजा, और मैक्स कैंसर केयर के डॉक्टर हरित चतुर्वेदी सहित डॉक्टर की अन्य टीम द्वारा कैदियों को स्वास्थ संबंधी जानकारी तथा दिनचर्या पर विस्तृत जानकारी साझा की गई.

कार्यक्रम में मौजूद डॉक्टरों के पैनल द्वारा बंदियों को कैंसर व हार्ट रोगों से बचाव, योग व स्वस्थ जीवनशैली पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और इलाज में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया.

'गुस्ताख़ इश्क' ट्रेलर ने मचाई धूम

गुस्ताख इश्क़ का ट्रेलर रिलीज़ हुए कुछ दिन भले ही बीत चुके हों, लेकिन सोशल मीडिया से लेकर सिनेमा प्रेमियों की चर्चाओं तक इसका जादू अभी भी कम नहीं हुआ है. आज के दौर में, जहां तेज़ कट्स, डिजिटल स्लैंग और रील-स्टाइल रोमांस का बोलबाला है, वहीं 'गुस्ताख़ इश्क़' ने इतने कम समय में दिल जीतने वाले शायराना अंदाज़ से सभी को चौंका दिया है.

ट्रेलर के पहले संवाद— 'मेरा लहज़ा कैक्टस-सा खुरदुरा, तेरी बातें रात-रानी की तरह...' ने दर्शकों को कुछ ही सेकंड में पुराने जमाने के प्यार में वापस ले गया. विभु पुरी का निर्देशन इस फिल्म को एक अनोखा काव्यात्मक स्पर्श देता है. पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की ढहती कोठियों के बीच खिलती प्रेम कहानी एक खास नॉस्टैल्जिया जगाती है. यह

फिल्म उस युग की याद दिलाती है जब प्यार चिट्ठियों में पनपता था और शायरी दिल की ज़ुबान होती थी. मनीष मल्होत्रा, जो इस फिल्म के साथ अपना पहला सिनेमाई प्रोडक्शन लेकर आए हैं, दर्शकों की प्रशंसा से गदगद हैं.

ये रिश्ता क्या कहलाता है : काजल का बवाल, घर में हड़कंप

टीवी का सबसे लोकप्रिय शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' इस समय हाई-वोल्टेज ड्रामे के दौर से गुजर रहा है. कहानी में रोज नए मोड़ आते हैं और हर एपिसोड दर्शकों को चौंका देता है. अरमान और अभिरा की जिंदगी में जैसे मुश्किलों की लाइन लगी हुई है फेक एमएमएस के झंझट से निकलते ही अब परिवार में काजल की वजह से भूचाल आ गया है. तान्या की सच्चाई उजागर होने के बाद विद्या ने गुस्से में काजल को जोरदार थप्पड़ मारा और यहीं से शुरू हुआ एक नया हंगामा. मामला तब और बिगड़ता है जब अभिरा भी विद्या को गलत ठहराती है. इस माहौल में काजल को घर वापस लाने की बात होती है, मगर तभी पुलिस पोद्दार हाउस में दाखिल हो जाती है. काजल ने विद्या पर घरेलू हिंसा का केस कर दिया है और तान्या उसके सपोर्ट में खड़ी है. इस बात से घर में हड़कंप मच जाता है. तान्या और कृष बंसल परिवार की तरफ से आरोपों की बौछार कर देते हैं, जिस पर अरमान का गुस्सा फूट पड़ता है और वह सबको चुप करवा देता है. इसके बाद घर के लोगों की सलाह पर अभिरा और अरमान, विद्या से कहते हैं कि वह काजल से माफी मांग लें ताकि मामला रुक जाए. माधव और मनीषा भी विद्या को गलत बताते हैं, लेकिन विद्या अपनी गलती मानने को तैयार नहीं होती. पुराने जेल के दिनों को याद कर वह डर जाती है, जबकि संजय साफ कर देता है कि वह काजल को केस वापस नहीं लेने देगा. आखिरकार हालात ऐसे बनते हैं कि विद्या काजल के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगती है.

'होश में रहना मेरी ताकत है' सुष्मिता का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन जितनी अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के लिए पसंद की जाती हैं, उतनी ही अपनी स्ट्रॉन्ग, फिट और डिसिप्लिन्ड लाइफस्टाइल के लिए भी जानी जाती हैं. योग, नियमित वर्कआउट और हेल्दी रूटीन को फॉलो करने वाली इस एक्ट्रेस को जब 47 साल की उम्र में हार्ट अटैक आया, तो यह खबर सुनकर फैंस सदमे में आ गए थे. लाखों लोगों ने उनके लिए दुआएं कीं और जल्दी सेहतमंद होने की कामना की.

लेकिन हाल ही में सामने आए एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में सुष्मिता सेन ने उस कठिन समय को बेहद साहसिक अंदाज़ में याद किया.

उन्होंने बताया कि हार्ट अटैक के वक्त भी वे पूरी तरह होश में थीं और सर्जरी के दौरान भी उन्होंने एनेस्थीसिया लेने से साफ मना कर दिया. इतना ही नहीं, स्टेंट डाले जाने की पूरी प्रक्रिया उन्होंने अपनी आंखों के सामने देखी. इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'मैं हर चीज़ को महसूस करना चाहती हूँ. होश में रहते हुए आप जानते हैं कि मौत कितनी करीब थी और आप उससे कैसे वापस लौटे. यही एहसास आपको मजबूत बनाता है.' हार्ट अटैक के दौरान भी वे सजग थीं और डॉक्टरों से हर जानकारी ले रही थीं. उन्होंने बताया कि स्टेंट डालते हुए उन्होंने स्क्रीन पर अपनी धमनियों की स्थिति और प्रक्रिया को देखना भी नहीं छोड़ा. सर्जरी के दौरान वे डॉक्टरों से लगातार बातचीत करती रहीं और बार-बार कहती रहीं कि उन्हें जल्द अस्पताल से छुट्टी चाहिए क्योंकि जयपुर में उनकी वेब सीरीज आर्या की शूटिंग चल रही थी. एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें पता था कि वे प्रोजेक्ट की लीड हैं, और उनके बिना यूनिट का काम रुक जाएगा. हालांकि डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत छुट्टी देने से साफ मना कर दिया. कई दिन समझाने और मेडिकल इवैल्यूएशन के बाद अंततः करीब 15 दिनों में उन्हें घर जाने की अनुमति मिली. इसके बाद सुष्मिता सीधे जयपुर पहुंचीं और शूटिंग दोबारा शुरू कर दी.

पति-पत्नी और पंगा : रुबीना और अभिनव ने जीती ट्रॉफी

टीवी रियलिटी शोज़ की दुनिया में धूम मचाने वाला और पहली बार प्रसारित हुआ 'पति पत्नी और पंगा' अपने धमाकेदार ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म हो गया है. तीन महीने तक चली बहस, मस्ती, प्यार, चुनौतियों और रिश्तों की असल परीक्षा वाले इस शो ने शुरुआत से ही दर्शकों का दिल जीत लिया था. लेकिन सबसे बड़ा सवाल था पहला विनर कौन बनेगा? इस कड़े मुकाबले में आखिरकार बिग बॉस फेम पावर कपल रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने बाज़ी मारते हुए शो की पहली ट्रॉफी अपने नाम कर ली. फाइनल मुकाबला बेहद हाई-एनर्जी और भावनाओं से भरा हुआ था. दूसरी तरफ थे टीवी की दिल जीतने वाली जोड़ी गुरमीत चौधरी और देबीना बनर्जी, जिनकी लोकप्रियता और केमिस्ट्री किसी से छिपी नहीं है. दर्शकों की नज़रें टिकी थीं कि कौन सा कपल आखिरी पड़ाव पर भारी पड़ेगा. टास्क के दौरान जहां गुरमीत-देबीना ने रोमांटिक और मज़ेदार अंदाज़ से माहौल हल्का रखा, वहीं रुबीना-अभिनव ने हर चुनौती को बड़ी रणनीति और शांत दिमाग से पूरा किया. रुबीना की लीडरशिप क्वालिटी और अभिनव का धैर्य दोनों ने मिलकर अपनी टीम को हर राउंड में मजबूती दी.

ऑटोमोबाइल

महिंद्रा लाएगी भारत में पहली 7-सीटर विद्युत चलित एसयूवी

महिंद्रा अपनी विद्युत् चालित एसयूवी लाइनअप में एक बड़ा कदम उठाते हुए महिंद्रा एक्सईवी 9एस का ग्लोबल डेब्यू 27 नवंबर को बेंगलुरु में आयोजित 'स्क्रीम इलेक्ट्रिक' कार्यक्रम में करेगा. कंपनी की घोषणा के अनुसार यह पहला 7-सीटर प्रामाणिक विद्युत् चालित एसयूवी होगा, जिसे महिंद्रा की इंगलो 'स्केटबोर्ड' संरचना पर डिज़ाइन किया गया है.

इस प्लेटफ़ॉर्म की खासियत यह है कि यह समतल-फ्लोर लेआउट और विस्तारित पहिया-आधार की सुविधा देता है, जिससे तीनों पंक्तियों में बेहतर केबिन स्थान और आरामदायक यात्रा संभव होगी. इस मध्यम-से-उच्च श्रेणी की विद्युत् चालित एसयूवी के फीचर्स काफी शानदार हैं.

अंदर की ओर, एक्सईवी 9एस में तीन डिजिटल स्क्रीन (चालक, सूचना और सह-यात्री के लिए) की व्यवस्था होगी, साथ ही पैनोरमिक छत, वेंटिलेटेड सामने की सीटें, बहुरंगी वातावरण रोशनी और तार/वायरलेस चार्जिंग सुविधाएँ मिल सकती हैं.

सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से स्तर-2 उन्नत ड्राइविंग सहायता प्रणाली, 360-डिग्री कैमरा और सात एयरबैग जैसी तकनीक उपलब्ध हो सकती है.

बैटरी विकल्पों के मामले में यह मॉडल 59 किलोवाट-घंटा और 79 किलोवाट-घंटा की बैटरियों के साथ आ सकता है, और दावा किया गया है कि यह एक चार्ज में 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर सकता है. कीमत को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी नहीं आई है, लेकिन अनुमान है कि एक्सईवी 9एस की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 22 लाख से 35 लाख रुपये तक हो सकती है, वेरिएंट और बैटरी विकल्पों के आधार पर. इस लॉन्च से महिंद्रा का उद्देश्य विद्युत् वाहन सेगमेंट में बड़े, परिवार-केंद्रित एसयूवी की बढ़ती मांग को पूरा करना है और यह कंपनी की विद्युत् वाहन पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

हुंडई वरना फेसलिफ्ट जल्द भारत में आएगी

नई तकनीक और प्रीमियम फीचर्स के साथ तैयार

भारत में मिड-साइज सेडान कारों की मांग हमेशा बनी रहती है और निर्माता इसे ध्यान में रखते हुए नए मॉडल और फेसलिफ्ट्स पेश करते रहते हैं. अगले कुछ महीनों में हुंडई वरना और स्कोडा स्लाविया के फेसलिफ्ट वर्जन भारत में लॉन्च किए जा सकते हैं.

ये दोनों कारें अपने सेगमेंट में पहले ही लोकप्रिय हैं और अब इनका नया अवतार कई बेहतरीन फीचर्स और प्रीमियम इंटीरियर्स के साथ आने वाला है. नए मॉडल में स्प्लिट हेडलाइट्स, एंगुलर सी-पिलर और 12.3 इंच का नया इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे अपडेट शामिल होंगे. साथ ही, वायरलेस एंड्राइड ऑटो और एप्पल कारप्ले जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स भी जोड़े जाएंगे. रिपोर्ट्स के अनुसार, हुंडई वरना का फेसलिफ्ट मार्च 2026 तक लॉन्च किया जा सकता है, जबकि स्कोडा स्लाविया अगले साल के मध्य तक बाजार में आ सकती है. मिड-साइज सेडान प्रेमियों के लिए यह समय उत्साहित करने वाला है, क्योंकि यह दोनों कारें अपने सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर सकती हैं. वहीं, स्कोडा स्लाविया के फेसलिफ्ट में भी कई बदलाव किए जाने की संभावना है. इसमें नए बम्पर, टेल लैंप और डायनामिक टर्न इंडिकेटर शामिल होंगे. इसके साथ ही प्रीमियम इंटीरियर और नए कनेक्टिविटी फीचर्स को जोड़ा जा सकता है. हालांकि, स्लाविया के लिए अभी तक निर्माता की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह अगले साल के मध्य तक भारत में लॉन्च हो सकती है. मिड-साइज़ सेडान कारों की बिक्री में यह अपडेट्स एक नई ऊर्जा भर सकते हैं. विशेषकर उन ग्राहकों के लिए जो प्रीमियम फीचर्स, बेहतर कनेक्टिविटी और स्टाइलिश डिज़ाइन के साथ कार खरीदना पसंद करते हैं. हुंडई वरना और स्कोडा स्लाविया का नया अवतार दोनों ब्रांड्स के लिए सेगमेंट में मजबूत प्रतिस्पर्धा खड़ी करेगा.

यामाहा एक्सएसआर155 भारत में लॉन्च

यामाहा मोटर इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी नई यामाहा एक्सएसआर155 बाइक लॉन्च कर दी है. यह नियो-रेट्रो बाइक 155 सीसी इंजन और क्लासिक डिज़ाइन का बेहतरीन मिश्रण है. एक्स-शोरूम कीमत 1.49 लाख रुपये रखी गई है, जो यामाहा आर15 वी4 से सस्ती है.

बाइक को चार रंग विकल्पों मेटैलिक ग्रे, ग्रेइश ग्रीन मेटैलिक, मेटैलिक ब्लू और विविड रेड में उपलब्ध कराया गया है. एक्सएसआर155 में एलईडी हेडलाइट, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और डुअल-चैनल एबीएस जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो राइडिंग अनुभव को सुरक्षित और आरामदायक बनाती हैं.

यामाहा एक्सएसआर155 का डिज़ाइन ग्लोबल एक्सएसआर सीरीज से प्रेरित है. इसमें गोलाकार एलईडी हेडलाइट, टियरड्रॉप-आकार का फ्यूल टैंक और फ्लैट सिंगल-पीस सीट जैसी विशेषताएँ दी गई हैं. बाइक में डेल्टा-बॉक्स फ्रेम, स्ठ फ्रंट फोर्क्स और मोनोशॉक रियर सस्पेंशन सिस्टम है. 17 इंच की अलॉय व्हील और सामने-पिछले डिस्क ब्रेक के साथ डुअल-चैनल एबीएस भी दिया गया है. इसके डिजिटल एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर से रेट्रो लुक के साथ आधुनिक पढ़ने योग्य जानकारी मिलती है.

155 सीसी का लिक्विड-कूल्ड, 4-वॉल्व इंजन 18.5 पीएस की पावर और 14.2 एनएम टॉर्क देता है. 6-स्पीड गियरबॉक्स और असिस्ट-स्लिपर क्लच इसे स्मूथ और रेस्पॉन्सिव बनाते हैं. इस इंजन का उपयोग यामाहा आर15 और एमटी-15 में भी किया गया है. इसके अलावा, बाइक में वीवीए तकनीक, फ्यूल कंसम्पशन इंडिकेटर, ट्रैक्शन कंट्रोल और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी (वाई-कनेक्ट) जैसी आधुनिक सुविधाएँ दी गई हैं. यामाहा एक्सएसआर155 एक प्रीमियम रेट्रो बाइक है, जो बजट में रहते हुए शानदार फीचर्स और आरामदायक राइडिंग अनुभव देती है. यह उन राइडर्स के लिए उपयुक्त है जो क्लासिक लुक और आधुनिक तकनीक दोनों चाहते हैं. यामाहा ने पुष्टि की है कि स्र्ं-ङ्क मॉडल भी बिक्री में जारी रहेगा, जिससे ग्राहकों के पास विकल्प और बढ़ जाएंगे.

पहाड़ों में घूमने के लिए बेस्ट कार : आराम और एडवेंचर दोनों के लिए सही चुनाव

अगर आप घूमने के शौकीन हैं और पहाड़ों में ट्रिप करना पसंद करते हैं, तो सही कार का चुनाव आपकी यात्रा को आरामदायक और मजेदार बना सकता है. पहाड़ी इलाकों में ड्राइविंग के लिए मजबूत इंजन, अधिक ग्राउंड क्लियरेंस, और 4×4 ड्राइव जैसी विशेषताएँ बेहद जरूरी हैं. ऐसे में कुछ कारें खास तौर पर इस काम के लिए उपयुक्त मानी जाती हैं.

महिंद्रा थार- महिंद्रा थार पहाड़ी सड़कों के लिए परफेक्ट ऑफ-रोड एसयूवी है. इसकी ग्राउंड क्लियरेंस 226 मिमी है और यह 4×4 ड्राइव के साथ आती है. मजबूत बॉडी और पावरफुल इंजन इसे कठिन रास्तों पर भी सहज बनाते हैं. वहीं, मारुति जिमीनी छोटा लेकिन दमदार विकल्प है. इसकी 210 मिमी क्लियरेंस और ऑलग्रिप 4×4 फीचर तंग और उबड़-खाबड़ रास्तों में भी आसान ड्राइविंग सुनिश्चित करते हैं.

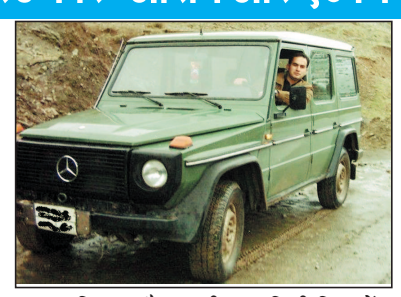

टोयोटा फॉर्च्यूनर- अगर आप परिवार के साथ लंबी यात्रा करना चाहते हैं, तो टोयोटा फॉर्च्यूनर एक बेहतरीन विकल्प है. इसकी ग्राउंड क्लियरेंस लगभग 225 मिमी है, और यह मजबूत इंजन, एडवांस ड्राइव मोड्स और आरामदायक सस्पेंशन के साथ आती है. एडवेंचर के शौकीनों के लिए फोर्स गुरखा और महिंद्रा बोलैरो भी दमदार ऑप्शन हैं. गुरखा का ग्राउंड क्लियरेंस 233 मिमी है और यह रॉकी रास्तों पर भी भरोसेमंद है. बोलैरो अपनी मजबूत बॉडी और माइकेनिकल मजबूती के लिए जानी जाती है. इन सभी कारों में आपको हिल-होल्ड असिस्ट, हिल-डिसेंट कंट्रोल, डिस्क ब्रेक्स और एडवांस सस्पेंशन जैसी सुविधाएँ मिलती हैं, जो पहाड़ों में ड्राइविंग को सुरक्षित और मजेदार बनाती हैं.